आरती भगवान श्री चन्द्र जी की

ॐ जय श्री चन्द्रयती, स्वामी जय श्री चन्द्रयती ।
अजर अमर अविनाशी, योग योगपति । ॐ जय...
सन्तन पथ प्रदर्शक, भगतन सुखदाता । स्वामी ...
आगम निगम प्रचारक, कलिमहि भवत्राता । ॐ जय...
कर्ण कुण्डल कर तुम्बा, गलसेली साजे । स्वामी ...
काबंलिया के साहिब, चहुं दिश के राजे । ॐ जय ...
अचल अडोल समाधि, पद्मासन सोहे । स्वामी...
बालयति बनवासी, देखत जग मोहे । ॐ जय...
कटि कौपीन तन भस्मी, जटा मुकुट धारी । स्वामी...
धर्म हेतु जग प्रगटे, शंकर त्रिपुरारी । ॐ जय...
बाल छवि अति सुन्दर, निशदिन मुस्काते । स्वामी...
भृकुटी विशाल सुलोचन, निजा नन्दराते । ॐ जय...
उदासीन आचार्य, करुणा कर देवा । स्वामी...
प्रेम भक्ति वर दीजे, और सन्तन सेवा । ॐ जय...
मायातीत गुसाई, तपसी निष्कामी । स्वामी...
पुरुषोत्तम परमात्मा, तुम हमारे स्वामी । ॐ जय...
ऋषि मुनि और ब्रह्मज्ञानी, गुण गावत तेरे । स्वामी...
तुम शरणागत रक्षक, तुम ठाकुर मेरे । ॐ जय...
जो जन तुमको ध्यावे, पावे परमगति । स्वामी...
ब्रह्मानन्द को दीजे, भगती विमल मती । ॐ जय...
अजर अमर अविनाशी, योगी योगपति । स्वामी...
स्वामी जय श्री चन्द्रयती

विवरण

जो चिरस्थायी हैं तथा जिनका शरीर कभी जीर्ण हो नहीं सकता एवं जो सभी योगों में श्रेष्ठ हैं ऐसे चन्द्र भगवान की जय हो । जो सज्जनों को सच्चा मार्ग दिखाने वाले हैं तथा अपने भक्तों को हमेशा सुख प्रदान

करने वाले हैं तथा जो आगम एवं निगम (वेदशास्त्र) का बखान करने वाले हैं तथा जो इस संसार के रक्षक हैं । इनके कानों में कुण्डल एवं हाथों में जलपात्र अत्यन्त ही शोभित होता है ।

ये सारे संसार के देवता चारों दिशा में राज्य करते हैं । इनका स्थिर एवं सुदृढ़ आसन बहुत ही शोभायमान होता है । ये बाल रूप से ही वनवासी हैं तथा इनको देखकर सारा जग मोहित होता है ।

इनके कमर में धोती एवं शरीर पर भस्म रमा रहता है तथा इनका जटा रूपी मुकुट सिर पर धारण हुआ रहता है । ये पुण्य कर्म हेतु इस संसार में आये । इनकी बाल छवि बड़ी ही प्रिय लगती है, तथा ये प्रति दिन मुस्कुराते हुए ही मिलते हैं । इनकी भवें एवं आँखें बड़ी सुन्दर हैं, जिसमें नींद का नामोनिशान नहीं है । आप हमारे मार्गदर्शक हो तथा हम पर दया की दृष्टि रखने वाले हो ।

आप हमें भक्ति का आशीर्वाद दीजिए ताकि हम सन्त जनों की सेवा कर सकें, ऐसा आशीष दीजिए । आप माया को वश में करने वाले हो तथा तपस्वी भी हो । आप सभी पुरुषों में उत्तम हो तथा हमारी आत्मा में वास करने वाले भगवान भी हो । ऋषि-मुनि एवं विशेष ज्ञान वाले लोग जो ब्रह्म के बारे में जानते हैं, वह सभी
आपके गुण गाते नहीं थकते ।

आप अपने शरण में आये हुए लोगों की रक्षा करते हो, हमारे स्वामी हो । जो मनुष्य आपका ध्यान करता है वह प्रभु के परम पद को प्राप्त करता है । आप हमें स्वच्छ बुद्धि एवं अपनी भक्ति का आशीर्वाद दीजिए । आप की कभी जरा अवस्था नहीं आ सकती तथा आप चिरस्थायी हैं एवं अविनाशी हैं और सभी योगों में श्रेष्ठ हैं, एसे श्री स्वामी चन्द्रयती की जय हो ।

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.